हिन्दी में डिप्लोमा कोर्स [पाठ्य क्रम] की सूचि

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) हिन्दी भाषा से परिचित हो सकेंगें |ख) हिन्दी व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचित हो सकेंगें | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेंगें |*

प्रश्न- पत्र : 01

पूर्णांक – 80
आंतरिक् 20
100

प्रश्नपत्र – 1 : हिन्दी भाषा एवं व्याकरण - 20 अंक
[क] हिन्दी भाषा एवं बोलियों का संक्षिप्त परिचय
[ख] हिन्दी का क्षेत्र
[ग] हिन्दी का महत्व
[घ] हिन्दी की विशेषताएँ
हिन्दी वर्तनी के प्रमुख नियम - 10 अंक
[क] कारक चिह्न
[ख] संयुक्त प्रक्रियाएँ
[ग] अव्यय
[घ] पूर्वकालिक स्वर्वकालिक प्रत्यय 'कर' का प्रयोग तथा उन्हें लिखने के नियम
[ङ] संधि समास के पदों के बीच हाइफन [योजक चिह्न]
[च] सादृश्य बोधक शब्दों का प्रयोग
[छ] चंद्र, अदर्घ चंद्र, अनुस्वार का प्रयोग
[ज] 'ण' और 'न' का अन्तर
[झ] 'ब' और 'व' का अन्तर
व्याकरण : - 40 अंक
[क] संज्ञा – भेद, उदाहरण, प्रयोग
[ख] संज्ञा के रूपान्तर : लिंग, वचन, और कारक के अनुसार
[ग] लिंग निर्णय :
[घ] कारक : परिभाषा, प्रकार, उदाहरण, विभक्तियों का वाक्यों मे प्रयोग
[ङ] संधि – परिभाषा, भेद स्वर व्यंजन, विसर्ग संधि –विच्छेद
[च] समास – परिभाषा, भेद, विग्रह,
[छ] मुहावरे एवं लोकोक्ति, अर्थ वाक्यों में प्रयोग,
[ज] वाक्य – रचना
वाक्य रचना के सामान्य नियम
[क] क्रम, [ख] मेल, [ग] प्रयोग, [घ] वाक्य –शुद्धि, [ङ] वाक्य-रचना का अभ्यास
अ नु वा द :
अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

सहायक – ग्रंथ :

1 आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, ले डॉ वासुदेव नंदन प्रसाद, – भारती भवन, ठाकुर बाड़ी रोड, पटना – 3
2 हिन्दी मुहावरे, ले – श्री ब्रह्मस्वस्य दिनकर शर्मा, हिन्दी पुरस्तक एजेंसी, 203, हरिसन रोड, कलकत्ता |
3 हिन्दी शब्दानुशासन – पं किशोरी दास वाजपेयी, प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी काशी |
4 बेसिक हिन्दी – ले बद्रीनाथ कपूर, प्रकाशक : हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी |

[2]

हिन्दी में डिप्लोमा कोर्स [उपाधि – पत्र] पाठ्यक्रम :

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) हिन्दी व्याकरण से सम्बधित नियमों को जान सकेंगें | ख) हिन्दी के एक नाटक से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष****- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र बिभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

प्रश्न पत्र – 2
मौखिक लेखन 6 पूर्णांक – 80
आंत रिक्त -20

अंक

1 निबंध रचना :	25	- 25
2 पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	10	- 10
[क] संक्षेपण :	5	- 5
[ख] पल्लवन :	5	- 5
3 कथा संकेत के आधार पर कथानक रचना :	10	- 10

अथवा

पत्र लेखन
[क] व्यक्तिगत
[ख] कार्यालयी पत्र

4 विशाख नाटक 25 - 25
लेखक – जयशंकर प्रसाद

सहायक पुस्तकें :

1 आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना
लेO – वासुदेवनंदन प्रसाद
5 हिन्दी व्याकरण पत्र की रुपरेखा
लेO – डॉ. ज. म. दीनशित्स

राजकमल प्रकाशन दिल्ली |

[3]

हिन्दी में डिप्लोमा कोर्स [उपाधिपत्र] पाठ्यक्रम

इस पत्र के अध्ययन के पश्चात छात्र जान सकेंगें- क) हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचित हो सकेंगें | ख) हिन्दी की कविता ,कहानी निबंध से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर वे विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं सफल हो सकेंगें |*

पूर्णांक – 80
आंत रिक् – 20

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं हिन्दी साहित्य की विधाएँ [कविता, कहानी, निबंध]

पाठ्य पुस्तकें :-

1 काव्य : निहारिका – भाग एक, एन 7 सी.ई आर. टी.
लेo – अनिल विद्यालंकार, शशि कुमार शर्मा, रामजन्म शर्मा, अनिरुद्ध राय चतुष्टय :
2 निबंध : गद्य गरिमा – राजनियुक्त प्रीतम प्रकाशन, मंदिर आगरा, - 3
3 कथावीथी : सम्पादक – श्री प्रेमनारायण शुक्ल,
4 हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाब राय, साहित्य रत्न भंगर, आगरा |

पाठ्यक्रम **:**

1 कविता – उषा की लाली : नागार्जुन, घर की याद – भवानी प्रसाद मिश्र, साधो देखो जग बौराना – कबीर दास पैतृक संपत्ति – केदारनाथ अग्रवाल तुम गा दो मेरा गान अमर हो जाए, बच्चन, चाँद और कवि – रामधारी सिंह दिनकर सूरज को नहीं डूबने दूँगा – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना |

2 कहानी : कथावीथी में संकलित लेखकों की कहानियाँ : प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, अज्ञेय एवं राजेंद्र यादव |

3 निबंध :

निबंधकार – भारतेंदु हरिश्चंद्र, श्यामसुन्दर दास, सरदार पूर्णसिंह, वासुदेव शरण अग्रवाल के निबंध |

4 हिन्दी साहित्य का इतिहास

[काल विभाजन एवं नामकरण] टिप्पणी, साहित्यकारों पर : विद्यापत्ति, चन्दबरदायी, कबीर, तुलसी, सूरदार, रसखान, बिहारी, भारतेंदु . मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, निराला, प्रेमचंद, जैनेन्द्र |

अंक विभाजन :

पाठ्यपुस्तकों से एक - एक आलोचनात्मक प्रश्न	: 12 x 3 = 36
पाठ्यपुस्तकों से एक-एक संप्रसंग व्याख्या :	8 x 3 = 24
इतिहास से एक एक - प्रश्न या दो टिप्पणी :	10 x 2 = 20
	80

हिन्दी डिप्लोमा

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत गैर हिन्दी भाषी छात्र हिन्दी में पढ़ – लिख बोल सकेंगें | विशेष- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग वे विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |

पूर्णांक – 100

प्रश्नपत्र : 4

मौखिक परीक्षा

1	गद् य और पद् य के अपठित अवतरण तथा पाठ	- 20 अंक
2	उपर के अवतरण से सम्बदध प्रासंगिक प्रश्न	– 30 अंक
3	किसी कहानी या देखे हुए स्थान का वर्णन	- 20 अंक
4	भारतीय इतिहास और संस्कृति पर साधारण प्रश्न	– 30 अंक
		= 100 अंक